



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

मं० 7]
No. 7]

नई दिल्ली, मुधवार, अप्रैल 11, 1984/चंद्र 22, 1906
NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 11, 1984/CHAITRA 22, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम 1961 (1961 की धारा 43) की धारा 260

प(1) के अधीन सूचनाएँ]

रोहतक, 23 मार्च, 1984

गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बनने में
सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को
जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11)
या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या
धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में
उक्त अधिनियम की धारा 209ध की उपधारा (**) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती शमरती पत्नी लक्ष्मी नारायण अग्रवाल
- (2) श्रीमती कान्ता अग्रवाल पत्नी प्रेम नारायण

(3) श्रीमती उषा बग्रवाल पत्नी श्री इन्द्र नारायण
 (4) श्री दीपक बग्रवाल पुत्र संक्षी नारायण
 नि. 19/7, शक्ति नगर, देहली
 (अन्तरक)

2. मैं शारदा आयल इन्डस्ट्रीज प्रा. लि., ए-13, नारेन्स
 रोड, देहली द्वारा श्री आल चन्द शारदा पुत्र स्व. श्री कालू राम
 शारदा नि. ए-13, नारेन्स नोड, देहली
 (अन्तरित)

(3) (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग
 में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में
 अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
 सम्पत्ति के हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके सूचीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालयी को शरू करता है, उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध
 में कोई भी आक्षणे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
 बाद में माप्त होती हो के भीतर पर्यावर्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

गण्टीकारण :—इनमें प्रदत्त शब्दों की जो आयकर अधिनियम
 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभासित है वही अर्थ
 होगा जो उस अध्याय में किया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्ट्री लक्ष्मी इन्डस्ट्रीज 10500 ब. मी. धोत्र पर बनी
 हुई है जो कि 20/7 फाइल स्टोर, जी. टी. रोड, करनाल गांव
 फिरोजपुर (राई) जि. गोरीगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण
 रजिस्ट्रीटर्स के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्री संख्या 1076 दिनांक
 14-7-83 पर दिया है ।

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, ROHTAK.

Notices under Section 269D(1) of the Income-tax
 Act, 1961 (43 of 1961).

Rohtak, the 23rd March, 1984

Ref. No. DLI/29/83-84.—Whereas I, R. K
 Bhayana being the Competent Authority under
 Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
 1961) (hereinafter referred to as the said Act)
 have reason to believe that the immovable property,
 having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No. Factory building measuring
 10,500 sq. metres Situated at Vill. Ferospur Khar-
 dar (Rai), Sonepat (and more fully described in
 the schedule annexed hereto), has been transferred
 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in

the office of the Registering Officer at Delhi, in
 July, 1983 for an apparent consideration which
 is less than the fair market value of the aforesaid
 property and I have reason to believe that the
 fair market value of the property as aforesaid ex-
 ceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen percent of such apparent considera-
 tion and that the consideration for such transfer as
 agreed to between the parties has not been truly
 stated in the said instrument of transfer with the
 object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of
 the liability of the transferor to pay tax
 under the said Act in respect of any in-
 come arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any in-
 come or any moneys or other assets
 which have not been or which ought to
 be disclosed by the transferee for the
 purpose of the Indian Income-tax Act,
 1922 (11 of 1922) of the said Act or
 the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C
 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the
 acquisition of the aforesaid property by the issue
 of this notice under Sub-Section (1) of Section
 269D of the said Act to the following persons,
 namely :—

(1) 1. Smt. Ram Rati W/o Laxmi Narain
 Aggarwal, 2. Smt. Kanta Aggarwal
 W/o Sh. Prem Narian Aggarwal, 3 Smt.
 Usha Aggarwal W/o Sh. Inder Narain
 Aggarwal 4. Shri Deepak Aggarwal
 S/o Sh. Laxmi Narain all rs/o 19/7,
 Shakti Nagar, Delhi (Transferor).—

(2) M/s Sharda Oil Industries (P) Ltd. A-13,
 Lawrence Road, Delhi through Shri
 Bal Chand Sarda S/o Shri Late Kalu
 Ram Sarda r/o A-13, Lawrence Road,
 Delhi. (Transferer)

(3) (Person in occupation
 of the
 Property)

(4) (Person whom the
 undersigned knows
 to be interested in
 the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
 property may be made in writing to the under-
 signed :—

(a) by any of the aforesaid persons within a
 period of 45 days from the date of pub-
 lication of this notice in the Official
 Gazette or a period of 30 days from the
 service of notice on the respective per-
 sons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory known Laxmi Industries built on a plot measuring 10,500 sq. meteres (18 kanals) situated at 20.78 Mile-stone, G. T. Karnal Road Village Ferozpur (Rai) Distt. Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1076 dated 14.7.1983 with the S. R. Delhi.

रोहतक, 20 मार्च, 1984

मिलेंगा सं. रेवाड़ी/14/83-84:—अतः मम्फे आर. कं. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 209क के अधीन मकान प्राधिकारी को यह दिशानाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उद्दिष्ट दाजार मूल्य 25000/- रु. में अधिक है और जिसको मैं बिल्डिंग का 1/4 भाग है तथा जो रेवाड़ी में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण स्वप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा दायरूत्य रेवाड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 18) के अधीन तारीख जुलाई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से बास के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रक्त की गई है और मम्फे यह दिशानाम करने का कारण है कि यथापद्वेष्टि सम्पत्ति का ऊंचास दाजार मूल्य उक्तके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्रक्त (अन्तर्रक्ती) और अन्तर्रिति (अन्तर्रक्ती) के दीप्त ऐसे अन्तर्रक्त के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्तदेश से उक्त अन्तर्रक्त लिखत में वास्तविक स्वप में कीथान नहीं किया गया है:—

(क) अन्तर्रक्त से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्रक्त के दायरूत्य में कीमी करने या उसके बनने में मूर्चिका के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी इन या अन्य आमिल्यों का जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में रुचिका के लिए:

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269क के अन्तरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269क की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्त:—

श्री प्रज्ञन कुमार पात्र एना लाल पुत्र श्री रघुनाथ सहाय जैन नि. रेवाड़ी

(अन्तर्रक्त).

श्री संजय कुमार जैन पुत्र प्रज्ञन कुमार नि. रेवाड़ी (अन्तर्रिति)

(2) श्रीमती मोसम लता पत्नी श्री परमराम बन्सल नि. रेवाड़ी माफित मैं. बन्सल ट्रेडिंग क., अनाज मण्डी, रेवाड़ी ।

(3)

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4)

(बहु व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति के हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके सूचीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है, उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की हाइलाइट में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि द्वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तृत मा किए जा सकें।

मर्टिर्डिरण.—इसमें प्रमुखत शब्दों की जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित है वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अप्रसूची

—सम्पत्ति बिल्डिंग का 1/4 भाग रेवाड़ी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रेवाड़ी में, रजिस्ट्रीमंस्यों 1054 दिनों के 28-7-1983 कर दिया है।

Rohtak, the 20th March, 1984

Ref. No. RWR/14/83-84.—Whereas I, R. K. Bhayana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in building Situated at Rewari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at July, 1983 in Rewari for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parjan Kumar S/o Panna Lal S/o Shri Raghunath Sahai Jain R/o Rewari Sh. Sanjay Kumar Jain S/o Sh. Parjan Kumar R/o Rewari. (Transferor)
- (2) Smt. Mosam Lata W/o Sh. Hanuman Parshad S/o Shri Paras Ram Bansal R/o Rewari c/o M/s Bansal Trading Company, Anaj Mandi, Rewari. (Transferee)

(3)

(Person in occupation of the Property)

*(4)—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.—

[(Strike off where not applicable)]

THE SCHEDULE

Property being 1/4th share of building situated at Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1054 dated 28-7-1983 with the S.R. Rewari.

निदेश सं. रेवाड़ी/13/83-84 :—अल. मर्कें आर के. भयाना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-के अधीन सम्पत्ति प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. चिल्ड्रिंग का 1/4 भाग है तथा जो रेवाड़ी में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसंधीर्ण में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रेवाड़ी में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 18) के अधीन तारीख जूलाई, 1984 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और गुम्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरीकी) और अन्तरित (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पारा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उसके बनने में सुविधा के लिए और ; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वा धनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-के अन्तरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (††) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :—

(1) श्री संजीव कुमार जैन पत्र प्रजन कुमार जैन द्वारा श्री प्रजन कुमार जैन. रेवाड़ी (अन्तरक)

(2) श्री सुरेश अनन्द पुरुष श्री परस राम पुरुष श्री थम्बू राम मार्फत मै. बनसल ट्रॉडिंग कं., अनाज मण्डी रिवाड़ी ।

(अन्तरित)

(3) (वह व्यक्ति जिसके अधिकारी में सम्पत्ति है) ।

(4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-लिखा आमता है कि सम्पत्ति को छिपाना है) ।

को यह सूचना जारी करके सुपूर्वोक्त सम्पत्ति के उपर्यन्त के लिए कार्यशाली रूप करनी है उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य :—

(5) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दरिका से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना

की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टांकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभ्राष्ट है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति बिल्डिंग का 1/4 भाग रेनाड़ी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रेनाड़ी में रजिस्ट्री संख्या 1049, दिनांक 27-7-1983 पर दिया है ।

Ref. No. RWR/13/83-84.—Whereas I, R. K. Bhayana being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in building situated at Rewari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July, 1983 in Rewari for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Sec-

tion 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sanjay Kumar Jain S/o Parjan Kumar Jain through Shri Parjan Kumar r/o Rewari (Transferor)
- (2) Shri Suresh Chand s/o Shri Paras Ram S/o Shri Thambu Ram c/o M/s Bansal Trading Company, Anaj Mandi, Rewari, (Transferee)
- (3) (Person in occupation of the Property)
- (4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the Property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :— The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/4th share in building situated at Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1049 dated 27-7-1983 with the S.R. Rewari.

निवेश सं. बहादुरगढ़/9/83-84 :—अस्त: ग्रन्थे आर के भयाना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट 700 व. ग. है तथा जो सांखोल (बहादुरगढ़) में स्थित है (और हस्से उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय बहादुरगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख जुलाई, 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से धूर्यमान प्रतिफल के सिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यहाँवाँकर सम्पत्ति

*[Strike off where not applicable.]

का उचित वाजार मूल्य उसके क्षेत्रमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरीकी) और अन्तरिति (अन्तरीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के द्वारा तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योगद्वय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से ह्राई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने था उसके बनने में सुधारा के लिए और ; या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य जास्तियों का जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुधारा के लिए :

अतः इस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (††) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री सुरेश चन्द्र पूजा श्री नन्द किशोर मार्फत मैं अम्बा इण्डस्ट्रीज, 0/28 इण्डस्ट्रियल एरिया, बहादुरगढ़ । (अन्तरक)

1. श्रीमती आशा लूधरा, पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार लूधरा
2. श्रीमती आदर्श लूधरा, पत्नी श्री विरेन्द्र कुमार लूधरा प्रिया, 2694, देशबन्ध गृहा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-३ । (बनारसी)
- (३) (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) :
- (४) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति के हितबद्ध है) ।

को यह सूचना आगे करके सुपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही या शुरू करना है उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेगा :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

सम्पत्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभ्रमित है पहली वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 700 ब. ग. संखोल, महानीर पार्क, बहादुरगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बहादुरगढ़ में रजिस्ट्री मर्ला 1876 दिनांक 29-7-1983 पर दिया गया है ।

Ref. No. BDR/9/83-84.—Whereas I, R. K. Bhayana being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 700 sq. yards situated at Sankhol (Bahadurgarh) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhadurgarh in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Chander s/o Sh. Narain Dass S/o Sh. Nand Kishore C/o M/s. Amba Industries, O/28, Industrial Area, Bahadurgarh (Transferor).
- (2) 1. Smt. Asha Luthra W/o Shri Surinder Kumar Luthra 2. Smt. Adarsh Luthra W/o Sh. Virinder Kumar Luthra R/o 2694, Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi-5. (Transferee).
- (3) (Person in occupation of the Property)

*(4)—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property being land measuring 700 sq. yards situated at Sankhol, Mahabir Park Bahadurgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1876 dated 29-7-1983 with the S. R. Bahadurgarh.

निदेश नं. बल्लभ गढ़/141/83-84:—अतः मुझे आर. के. भगाना, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन रक्षण प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 23000/- रु. में अधिक है और जिसकी रां. इण्डस्ट्रियल प्लाट नं. 4 क्षे. 2383 घ. ग. है तथा जो टाउनशिप, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उगाबद्ध उन्मुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय बल्लभ गढ़ में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, (1908 का 18) के अधीन तारीख जूलाई 1984 को प्रदीर्घका सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की रही है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरीकी) और अन्तरिक्ष (अन्तरीयों) के बीच ऐसे वल्लारण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरवेद्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रै फिसी आय की बाबत आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसके बदले में मुक्तिधारी के भिन्न और; या

(ग) ऐसी फिसी आय या किसी भर या अन्य आमिस्तयों को जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वाया आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिसने में सुविधा के लिए:

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (††) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जात्:—

1. श्रीमती बमल कौर पत्नी श्री करतार सिंह पुत्र धौ लच्छा राम —1/2 भाग, (अन्तरक)

2. श्री कुम्हदीप सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र श्री लच्छा राम —1/4 भाग

3. श्री करतार सिंह पुत्र श्री लच्छा राम 1/4 भाग नि. 1-ए-128 न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद। (अन्तरक)

मैं. हरिपाणा माधिक इण्डस्ट्रियल प्लाट नं. 9, धर्म कान्त रोड, मुजेमर, फरीदाबाद।

श्रीमती दारोपत्र वर्मा, श्रीमती नारायणी देवी, श्रीमती ललिता शर्मा हिस्सेदार। (अन्तरक)

(3) (यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

(4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अदो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति के हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके सूपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाही या शूल करना है उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवैध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों की जो आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति इण्डस्ट्रियल प्लाट नं. 4, क्षे. 2383 घ. ग. टाउनशिप फरीदाबाद में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ना के कार्यालय बल्लभ गढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 5332, विनांक 21-7-1983 पर दिया है।

मार. के. भगाना, सक्षम प्राप्तिकारी, सहायक आपकर आपुक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

Ref. No. BGR/141/83-84.—Whereas I, R. K. Bhayana, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial plot No. 4 measuring 2383 sq. yds. Situated at Township, Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Basaut Kaur W/o Sh. Kartar Singh s/o Lachha Ram 1/2 share. 2. Sh. Kuldeep Singh s/o Kartar Singh s/o Sh. Lachha Ram 1/4 share 3. S. Kartar Singh s/o Lachha Ram 1/4 share r/o 1-A-123, New Township, Faridabad.

(Transferor.—

(2) M/s Haryana Graphic Equipments Plot No. 9, Dharam Kanta Road, Mujeser, Faridabad Smt. Daropat Verma, Smt. Naraini Devi Smt. Lalita Sharma-partners — (Transferee)

(3) (Person in occupation of the Property)

*(4)—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property being Industrial plot No. 4 measuring 2383 sq. yds situated at Township Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5332 dated 21-7-1983 with the S. R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA, Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Rohtak)

Date : 20-3-1984

Seal :

*[Strike off where not applicable]